इस माह के अंत तक आएगी भूमिगत मार्ग की पहली ट्रेन

मुंबई, कुलाबा -बांद्रा- सिप्ज इस तीसरे पूर्णतः भूमिगत मार्ग के दौरान दौड़ने वाली पहली मेट्रो ट्रेन के परीक्षण के लिए मरोल-मरोशी में एक अस्थायी सुविधा एमएमआरसीएल ने स्थापित की है। आरे कारशेड के प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई भी काम हाथ में नहीं लिया गया है। ऐसा मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक रणजीत सिंह दियोल ने कहा है। मरोल-मरोशी रोड के पश्चिम की ओर रैंप की शुरुआत से मेट्रो 3 के लिए एक तात्कालिक सुविधा निर्माण करने के बारे में भी श्री दियोल ने जानकारी दी है। मार्च महीने के आखिर में कुलाबा -बांद्रा-सिप्झ इस तीसरे पूर्ण भूमिगत मार्ग के लिए एक मेट्रो ट्रेन मार्च महीने में मुंबई में दाखिल होगी। ट्रेन का परीक्षण विभिन्न मानकों पर किया जाएगा। परीक्षण में 10,000 किमी की दूरी के दौरान गति, आपातकालीन ब्रेक दूरी जैसे परीक्षण शामिल होंगे। देओल ने कहा कि परीक्षण अस्थायी सुविधा से शुरू करके बेसमेंट में किया जाएगा।